

## राज्यपाल ने कयिा छत्तीसगढ भू-राजस्व संहतिा (संशोधन) वधियक, 2022 पर हस्ताकषर चर्चा में क्यौं?

26 अप्रैल, 2022 को छत्तीसगढ की राज्यपाल अनुसुईया उइके ने छत्तीसगढ भू-राजस्व संहतिा 1959 में संशोधन के लयि परसुतुत वधियक छत्तीसगढ भू-राजस्व संहतिा (संशोधन) वधियक, 2022 पर हस्ताकषर कयि।

### प्रमुख बदि

- छत्तीसगढ भू-राजस्व संहतिा (संशोधन) वधियक, 2022 के अनुसार भू-राजस्व संहतिा के मूल अधनियम की 12 धाराओं, अध्याय 7 की 48 धाराओं एवं अध्याय 14 की 16 धाराओं में संशोधन कयिा गया है।
- संशोधति वधियक में मूल अधनियम की धारा 50 की उपधारा 01 में बंदोबस्त आयुक्त के स्थान पर 'आयुक्त भू-अभलिख' प्रतसिथापति कयिा गया है। इसी प्रकार बंदोबस्त अधिकारी के स्थान पर 'जलिा सर्वेक्षण अधिकारी' प्रतसिथापति कयिा गया है।
- मूल अधनियम के अध्याय 7 में शीर्षक 'नगरेतर कषेत्रों में राजस्व सर्वेक्षण तथा बंदोबस्त' के स्थान पर 'भू-सर्वेक्षण तथा भू-राजस्व निर्धारण' शब्द प्रतसिथापति कयिा गया है।
- संशोधति वधियक में नवीन धारा 178 ख का अंतःस्थापन कयिा गया है। इसके अनुसार तहसीलदार, खाता वभिाजन हेतु प्राप्त आवेदनों को सर्वप्रथम ई-नामांतरण पोर्टल में प्रवषिट कर हतिबद्ध पक्षकारों को सूचना जारी करेगा एवं आम सूचना या इशतहार का प्रकाशन करेगा।
- कसिी प्रकरण में आपत्ति प्राप्त होने पर या तहसीलदार को प्रकरण, कसिी कारण से वविादति प्रतीत होने पर, वह ऑनलाइन ई-नामांतरण पोर्टल से प्रकरण को अपने ई-राजस्व न्यायालय में स्थानांतरति कर पंजीकृत करेगा, अन्यथा प्रकरण में समस्त कार्यवाही ऑनलाइन ई-नामांतरण पोर्टल में की जाएगी।